क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 08, गुरुवार, 31 जनवरी, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रीनगर लोकसभा सीट : क्या फिर अपना गढ़ बचा पाएगी नेशनल कॉन्फ्रेंस

श्रीनगर (एजेंसी) ।

श्रीनगर लोकसभा सीट, जम्मू और कश्मीर की महत्वपूर्ण सीटों में से एक है, डल झील वाली श्रीनगर लोकसभा सीट नेशनल कॉन्फ्रेंस का गढ़ है। इस सीट पर नेशनल कॉन्फ्रेंस 10 लोकसभा चुनाव जीत चुकी है। सूबे की ग्रीष्मकालीन राजधानी की इस लोकसभा सीट से फारूक अब्दुल्ला सांसद हैं। 2014 के आम चुनाव में फारूक अब्दुल्ला को पीडीपी के तारिक हमीद कर्रा ने हराया था। 2017 में हुए उपचुनाव में फारूक अब्दुल्ला करीब 10 हजार वोटों से जीते थे। यहां से उनकी मां बेगम अकबर जहां अब्दुल्ला और बेटे उमर अब्दुल्ला भी सांसद रह चुके हैं। इस लोकसभा सीट में 15 विधानसभा सीट और 12. 61 लाख मतदाता हैं। 2017 उपचुनाव में 7 फीसदी और 2014 आम चुनाव में 26 फीसदी मतदान हुआ था। उपचुनाव के दौरान यहां खूब हिंसा हुई थी और 8 लोग मारे गए थे। श्रीनगर की लोकसभा सीट से 1967 में नेशनल कॉन्फ्रेंस के बख्शी गुलाम मोहम्मद जीते थे। 1971 में इस सीट से निर्दलीय प्रत्याशी एस.ए. शमीम ने जीत दर्ज की। इस हार के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जबरदस्त वापसी की और लगातार चार लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज की। 1977 में इस सीट से बेगम अकबर जहां अब्दुल्ला सांसद बनीं, इसके बाद 1980 में उनके बेटे फारूक अब्दुल्ला ने इस सीट से जीत दर्ज की, 1984 और 1989 में भी यह सीट नेशनल कॉन्फ्रेंस के पास ही रही और क्रमशः अब्दुल राशिक काबुली और मोहम्मद सफी भट सांसद बने। 1996 में यह सीट कांग्रेस के खाते में चली गई और गुलाम मोहम्मद मीर मागामी जीते,1998, 1999 और 2004 में यह सीट फिर से नेशनल कान्फ्रेंस के पास आ गई और तीनों बार उमर अब्दुल्ला सांसद बनेण् इसके बाद 2009 में इस सीट से फारूक अब्दुल्ला उतरे और जीते, लेकिन 2014 का चुनाव वह हार गए। उन्हें पीडीपी के तारिक हामीद कर्रा ने हराया। इसके बाद 2017 में हुए उपचुनाव में एक बार फिर फारूक अब्दुल्ला इस सीट से सांसद बने। श्रीनगर लोकसभा सीट के अन्तर्गत 15 विधानसभा सीटें (कंगन, गन्दरबल, हजरतबल, जडीबल, ईदगाह, खानयार, हबाकदल, अमिरकादल, सोनवार, बटमालू, चाडुरा, खानसाहिब, चरार-ए-शरीफ) आती हैं। 2014 के विधानसभा चुनाव में इस लोकसभा सीट की इन 15 सीटों पर नेशनल कान्फ्रेंस और पीडीपी के बीच कड़ी टक्कर हुई थी। नेशनल कान्फ्रेंस के पास 7 (कंगन, गन्दरबल, ईदगाह, खानयार, हबाकदल, बडगाम, बीरवाह, और पीडीपी के पास 8 (हजरतबल, जडीबल, अमिरकादल, सोनवार, बटमालू, चाडुरा, खानसाहिब, चरार-ए-शरीफ) सीटें हैं। इस सीट पर 12 लाख 05 हजार रजिस्टर्ड मतदाता हैं। इसमें 6 लाख 30 हजार पुरुष और 5 लाख 74 हजार महिला वोटर हैं। 2017 के उपचुनाव में नेशनल कान्फ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला 10ए776 वोटों से जीते थे। उन्हें 48, 555 वोट मिला था, जबकि उनके प्रतिद्वंदि पीडीपी के नाजिर अहमद खान को 37, 779 वोट मिले थे, तीसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी फारूक अहमद दार (630 वोट) रहे थे। इससे पहले 2014 के आम चुनाव में पीडीपी के तारिक हामिद कर्रा ने फारूक अब्दुल्ला को 42, 281 से मात दी थी,।

राफेल की सच्चाई सामने आने के डर से मोदी जी की उड़ी नींदः राहुल गांधी

नेशनल डेस्क(एजेंसी) ।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने राफेल विमान मामले को लेकर एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि इस मामले की पूरी सच्चाई सामने आकर रहेगी और प्रधानमंत्री को इस वजह से नींद नहीं रही है। राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी ने पांच साल में सिर्फ देश को बांटने का काम किया है। कांग्रेस अध्यक्ष भारतीय युवा कांग्रेस की 'इंकलाब रैली' में बोल रहे थे। भारतीय युवा कांग्रेस 'युवा क्रांति यात्रा' के समापन के मौके पर तालकटोरा स्टेडियम में इस रैली का अयोजन किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि साढ़े चार साल पहले नरेंद्र मोदी जी ने बोला कि वह हिंदुस्तान से कांग्रेस की विचारधारा और संगठन को मिटाना चाहते हैं। जहां जाते थे कहते थे कि वह चौकीदार बनाना चाहते हैं। अब पता चल गया कि चौकीदार क्या है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी ने वादा किया था कि हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देंगे।

क्या हिंदुस्तान का युवा कह रहा है कि दो करोड़ रोजगार मिला? उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे राफेल की सच्चाई देश की जनता के सामने आ रही है। एक के बाद एक सबूत सामने आ रहे हैं। पूरी सच्चाई सामने आएगी। दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि हम जानते हैं कि मोदी जी आपको रात की नींद नहीं आ रही है। आपको अनिल अंबानी, राफेल विमान और शहीदों की तस्वीर दिखाई दे रही हैं।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव से पहले भारतीय युवा कांग्रेस ने 'युवा क्रांति यात्रा' निकाली थी। इस यात्रा का मकसद नरेंद्र मोदी सरकार की 'विफलताओं' से जनता खासकर युवाओं को जागरूक करना था। यह यात्रा 16 दिसंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी और 30 जनवरी को दिल्ली में इसका समापन हुआ।

सेब का निशान लेके जम्मू कश्मीर में चुनावी मैदान में उतरेगी लोन की पीपलस कान्फ्रेस

श्रीनगर । अलगाववाद का रास्ता छोड़ राजनीति की मुख्य धारा में शामिल हुए राजनेता सज्जाद गनी लोन की पार्टी जम्मू कश्मीर में 'सेब' चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ेगी। लोन ने मंगलवार की रात ट्विटर पर इसकी घोषणा करते हुए कहा, सेब जेकेपीसी का चुनाव चिन्ह होगा। आर्थिक शक्ति का एक प्रतीक। पूर्व मंत्री ने पार्टी नेताओं और पूर्व विधायक मोहम्मद अब्बास वानी को पार्टी के चुनाव चिन्ह के तौर पर 'सेब' का सुझाव देने के लिये शुक्रिया कहा। लोन ने कहा कि मैं गुलमर्ग के पूर्व विधायक अब्बास वानी को शुक्रिया कहता हूं। उन्होंने सेब को पार्टी का चुनाव चिन्ह बनाने का विचार दिया। उनका विचार था कि हमारे चुनाव चिन्ह को आर्थिक शक्ति के तौर पर दिखना चाहिए। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने 2014 में जम्मू कश्मीर में हुए चुनाव में विधानसभा की दो सीटें जीती थीं। पिछले साल नवंबर से पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के कई असंतुष्ट नेता इसमें शामिल हो चुके हैं।

बेंगलुरु में इंवेस्टर्स से मिले मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, हिमाचल में निवेश पर की चर्चा

बेंगलुरू/शिमला।

हिमाचल प्रदेश वैश्विक निवेशक सम्मेलन-2019 (इन्वैस्टर मीट) को सफल बनाने के लिए मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने बेंगलुरू में बिज़नेस टू गवर्मेंट के तहत निवेशकों से चर्चा की। बुधवार को टीवीएस के सीईओ केएन राधाकृष्णन, टोयोटा किरलास्कर के एमडी केजी मोहन कुमार ने सीएम जयराम ठाकुर से मुलाकात की। बैठक के दौरान डेल ने अपनी निवेश योजना के बारे में की चर्चा की। उद्योग मंत्री बिक्रम ठाकुर भी इस दौरान मौजूद रहे। देश की नामी कंपनियां रोड शो में शिरकत कर रही है। मीटिंग के दौरान तमाम बड़े औद्योगिक घरानों ने हिमाचल में निवेश करने और निवेश बढ़ाने की इच्छा की जाहिर की।

शिवराज सरकार में किसानों के नाम पर हुआ 2000 करोड़ से ज्यादा का घोटाला, कांग्रेस कराएगी एफआईआर

भोपाल (एजेंसी)।

प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के साथ ही पिछली सरकार में हुए फर्जीवाड़े का खुलासा हो रहा है। कर्जमाफी की प्रक्रिया में आ रही गड़बड़ियों पर सीएम कमलनाथ ने बड़ा बयान देते हुए पूर्व की बीजेपी सरकार पर घोटाले का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि पिछली सरकार में फर्जी कर्ज का यह बहुत बड़ा घोटाला है। उम्मीद है कि यह घोटाला 2000 करोड़ से लेकर 3000 करोड़ तक भी पहुंचेगा। लेकिन हम किसी को छोड़ेंगे नहीं। सीएम कमलनाथ ने कहा कि, मैं दो-तीन लोगों से मिला, किसी ने भी लोन नहीं लिया है लेकिन लिस्ट में उनके नाम पर लोन दिखाया गया है उन्होंने कहा, कुछ ऐसे भी लोग हैं जिनका नाम गलत तरीके से उस लिस्ट में शामिल है, जिनके लोन माफ किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, यह एक बड़ा घोटाला है और यह दो हजार करोड़ से भी बड़ा हो सकता है। सीएम ने कहा कि मैं 3-4 जिले के लोगों से मिला। कई ने कहा कि लोन नहीं लिया है फिर भी नाम बकायादारों की लिस्ट में शामिल है। उन्होंने कहा कि यह बीजेपी शासन का बड़ा घोटाला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोषी बैंक मैनेजरों के खिलाफ हमारी सरकार कार्रवाई करेगी। कमलनाथ ने गोशालाओं के निर्माण को लेकर कहा कि मुझे बड़ा दुःख है कि पिछले 15 वर्षों में जो खुद को गोरक्षक कहते थे, उन्होंने एक भी गोशाला का निर्माण नहीं किया। हमने कल ही निर्णय लिया है कि हम अपने वचन पत्र के वादे के अनुसार गोशालाओं का निर्माण करवाएंगे। हम लक्ष्य तय करेंगे कि कितनी गोशाला कितने समय में हम बना देंके। हम इसकी हर माह समीक्षा करेंगे। हमारी सरकार गोल्फ कोर्स की सरकार नहीं है, इसलिए हमने गोल्फ कोर्स निरस्त करने का निर्णय लिया है। वहीं राम मंदिर को लेकर कमलनाथ ने पीएम मोदी पर तंज कसते हुए ।

भाजपा विधायक ने की राहुल गांधी की तारीफ, कहा- देश को ऐसे नेता की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा मुख्यमंत्री मनोहर परिकर का हलाचाल पूछने पर गोवा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक और डिप्टी स्पीकर मिशेल लोबो इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष की जमकर तारीफ की। लोबो ने राहुल की सादगी और विनम्रता को लेकर कहा है कि उनकी तारीफ देशभर और गोवा के लोगों को करनी चाहिए। लोबो ने कहा, राहुल गांधी अस्वस्थ चल रहे मुख्यमंत्री मनोहर परिकर की तबीयत का हाल जानने के लिए विशेष दौरे पर आए। उनकी सादगी और विनम्रता की गोवावासियों और भारतीयों द्वारा सराहना की जानी चाहिए। वह बेहद सिपंल व्यक्ति हैं और उनके जैसे नेता की गोवा और भारत को जरूरत है। आपको बतां दे कि राहुल गांधी ने मंगलवार को गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर परिकर से विधानसभा परिसर में मुलाकात की और उनकी तबीयत के बारे में पूछा। 63 वर्षीय परिकर अग्नाशय संबंधी बीमारी से पीड़ित हैं। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब एक दिन पहले ही राहुल गांधी ने आरोप लगाया था।

कि गोवा ऑडियो टेप प्रामाणिक हैं और गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर परिकर के पास इस मुद्दे से जुड़े धमाका करने वाले राज हैं। कांग्रेस ने इस टेप का हवाला देते हुए राफेल मुद्दे पर केंद्र पर हमला किया था।

गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा के संबोधन के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित होते ही राहुल गांधी दोपहर के करीब विधानसभा परिसर पहुंचे।

थरूर के बयान पर भड़की स्मृति ईरानी, कहा- हिंदुओं के अपमान का जनेऊधारी राहुल दें जवाब

नेशनल डेस्क (एजेंसी)।

कांग्रेस नेता शशि थरूर संगम में सभी नंगे वाले अपने बयान को लेकर विवादों में घिर गए हैं। उनके इस बयान को भाजपा हिंदुओं का अपमान बता रही है। वहीं केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने भी थरूर पर पलटवार करते हुए कहा कि वह अपने पार्टी के मुखिया राहुल गांधी के इशारे पर इस तरह के बयान दे रहे हैं। स्मृति ईरानी ने कांग्रेस अध्यक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि जनेऊधारी राहुल गांधी हिंदुओं के अपमान पर चुप क्यों हैं? आखिर क्यों कांग्रेस नेता बार बार हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ करते है, उनका अपमान करते है? उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि जो कांग्रेस के इस समय नेतृत्व कर रहे हैं वो तभी जनेऊ पहनते है जब चुनाव आते हैं। भाजपा नेता ने कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब थरूर की तरफ से ऐसा बयान आया है। वह बार-बार हिंदू विरोधी बातें करते रहे हैं। स्मृति ने कहा कि राहुल गांधी कि चुप्पी इस बात का सबूत है शशि थरूर को उनका समर्थन प्राप्त है। उन्होंने बीजेपी के प्रतिनिधियों का अपमान किया है, उपहास किया है। बता दें कि शशि थरूर ने कैबिनेट द्वारा मंगलवार को कुंभ में डुबकी लगाए जाने को लेकर तंज कसा था। उन्होंने ट्वीट कर नलखा था कि इस संगम में सब नंगे हैं। कांग्रेस नेता ने ट्वीट के साथ सीएम योगी की कैबिनेट की संगम में डुबकी लगाते हुए तस्वीर भी पोस्ट की थी।

तीन तलाक

कानून के रक्षक ही बने भक्षक, एसआई पत्नी को हवलदार पति ने तीन बार बोलकर दिया तलाक

ग्वालियर।

भले ही तीन तलाक को गैर कानूनी कर दिया गया हो लेकिन कुछ लोग अभी भी इसका उपयोग कर रहे हैं। एक मामला ग्वालियर से सामने आया है जहां पुलिस में पदस्थ महिला सब इंसपेक्टर को हवलदार पति ने तीन बार बोलकर तलाक दे दिया। इतना ही नहीं पहली शादी छि पाकर उसने दूसरी शादी भी कर ली। इसके बाद पति और उसके परिजन ने महिला एसआई के खिलाफ भोपाल स्थित मस्जिद कमेटी से फतवा भी जारी करवा दिया। तलाक और दूसरी शादी से परेशान पत्नी ने मंगलवार के दिन एसपी को बताया कि सोमवार को वह जब बैंक में रुपए निकालने पहुंचीं, उस समय पति इमरान ने उनके साथ मारपीट की। एसआई ने अपनी बेटी और खुद की जान को पति व उसके परिजन से खतरा बताते हुए शिकायत दर्ज की व कार्रवाई की मांग की। एसआई यासमीन खान ने एसपी नवनीत भसीन को शिकायत में बताया कि फरवरी 2015 में उनकी शादी इमरान से हुई थी। शादी के 15-20 दिन बाद ही इमरान व उसके परिजनों ने दहेज के लिए यासमीन में परेशान करना शुरू कर दिया। भोपाल में फ्लैट दिलाने के लिए भी उसे प्रताड़ित किया जाता रहा। शिकायत में यासमीन ने यह भी बताया कि देवास में पदस्थापना के दौरान इमरान ने उनसे भ्रष्टाचार कर रुपए कमाने के लिए भी दबाव बनाया था। यासमीन ने बताया कि गर्भवती होने पर गैर कानूनी तरीके से भ्रूण लिंग परीक्षण कराया। बेटी का जन्म होने पर ससुराल पक्ष की प्रताड़ना और बढ़ गई। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर देवास में घरेलू हिंसा का प्रकरण दर्ज कराया। इसके बाद इमरान व उनके परिजन ने उनके खिलाफ उनके विभाग में झूठी शिकायतें कर बदनाम करने लगे और झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी देने लगे। इन्हीं सब घटनाओं से तंग आकर एसआई यासमीन खान ने पुलिस में शिकायत की व कार्रवाई करने की मांग भी की है।

आतंकी भर्तियों को रोकने के लिए 'आत्मसमर्पण नीति'

श्रीनगर । केन्द्र सरकार के निर्देशों के बाद राज्य के गृह विभाग द्वारा मौजूदा आत्मसमर्पण नीति को अपग्रेड करने के लिए प्रारुप तौयार किया गया जिसे इस साल शुरु किए जाने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जम्मू.कश्मीर पुलिस ने हथियार उठाने वाले युवाओं की वापसी को और नए सिरे से आतंकी भर्ती को रोकने को सुनिश्चित करने के लिए पहले से मौजूद आत्मसमर्पण नीति को 'अपग्रेड' कर दिया है। सूत्रो के अनुसार राज्य के गृह विभाग ने केन्द्रीय गृह मंत्रालय के साथ परामर्श शुरु कर दिया गया है और आतंकियों के लिए नई आत्मसमर्पण नीति 2019 के बीच में शुरु किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि नीति का विस्तृत मसौदा उनकी टिप्पणियों, सुझावों और प्रतिक्रिया के लिए सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के बीच प्रसारित कर दिया गया हैं। सुरक्षा एजेंसियों के सुझावों को अंतिम नीति में शामिल किया जाएगा। एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने के शर्त पर कहा कि भारत सरकार चाहती है कि नीति को आगामी लोकसभा चुनाव से पहले शामिल किया जाए लेकिन नीति अभी भी मसौदा चरण में है, नई दिल्ली में नई सरकार के चुने जाने के बाद अंतिम नीति को लागू किया जाएगा। हथियार छोड़ देने वाले आतंकियों को 'त्यागकर्ता' कहा जाएगा। मसौदा नीति के अनुसार 'त्यागकर्ता' बैंक में 5-6 लाख रुपए की जमा राशि का हकदार होगा और राशि पर बैंक से प्रति माह 4000 रुपए का ब्याज प्राप्त करना जारी रखेगा। मसौदा में यह भी बताया गया है कि यदि सी.आई.डी. विभाग उसे एक अच्छा व्यवहार प्रमाणपत्र देता है तो आतंकी जमा राशि को निकाल सकते हैं। बता दें कि उमर अब्दुल्ला की अगुवाई वाली नैशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस की गठबंधन सरकार ने नवंबर 2010 में पाकिस्तान जाने वाले जम्मू कश्मीर के पूर्व आतंकियों की वापसी की सुविधा के लिए।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर में चिल्ले कलां के अंतिम दिन हुई बर्फबारी

श्रीनगर। कश्मीर की सर्दी के सबसे ठंडे दिन चिल्ले कलां के अंतिम दिन कश्मीर घाटी में ताजा बर्फबारी हुई। चिल्ले कलां के 40 दिन कश्मीर की सर्दी का सबसे ठंडा मौसम माना जाता है। कश्मीर में ताजा बर्फबारी हुई है, इसके साथ ही न्यूनतम तापमान में कई डिग्री इजाफा हुआ है। मौसम विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने बताया कि सुबह के शुरुआती घंटों में ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी और मैदानी इलाकों में मध्यम स्तर की बारिश हुई। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि बारिश से लोगों को बड़ी राहत मिली क्योंकि इससे न्यूनतम तापमान कई डिग्री ऊपर आ गया। उन्होंने कहा दुनिया के दूसरे सबसे ठंडे इलाके द्रास में पारा शून्य से 30.4 डिग्री सेल्सियस नीचे था जो 12 डिग्री से ज्यादा ऊपर चढ़कर 18 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। लेह जिले में पारा शून्य से नीचे 7.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है जो बीती रात शून्य से 17.4 डिग्री सेल्सियस नीचे था। अधिकारी ने कहा कि श्रीनगर में मंगलवार रात तापमान शून्य से नीचे 0.3 सेल्सियस दर्ज किया गया जो सोमवार रात के तापमान से चार डिग्री ऊपर है। मौसम विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि अगले 48 घंटों में जम्मू और कश्मीर के ज्यादातर हिस्सों में बारिश होने की संभावना है और इससे बुधवार की रात और गुरूवार को राजमार्ग के बनिहाल रामबन क्षेत्र प्रभावित हो सकता है।

1984 के सिख विरोधी दंगों के दोषी की पैरोल याचिका पर दो हफ्ते में फैसला करें: अदालत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार से कहा कि वह बलवान खोखर की पैरोल की याचिका पर दो हफ्ते के अंदर फैसला करे। खोखर को 1984 के सिख विरोधी दंगा मामले में कांग्रेस के पूर्व नेता सज्जन कुमार के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी । न्यायमूर्ति नजमी वजीरी ने दिल्ली सरकार से कहा कि वह पूर्व पार्षद खोखर की याचिका को एक ज्ञापन के तौर पर देखे और अपने फैसले के बारे में दो हफ्ते में अदालत को अवगत कराए। अदालत ने इसके साथ ही उच्च न्यायालय के 17 दिसंबर के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर करने के लिए एक महीने की पैरोल की मांग वाली याचिका का निस्तारण कर दिया।

कुलगाम में पुलिस स्टेशन पर ग्रेनेड हमला, 6 सिविल नागरिक

श्रीनगर । दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में पुलिस स्टेशन पर आतंकवादियों ने ग्रेनेड से हमला किया। हमले में 6 नागरिकों के घायल होने की खबर है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुछ आतंकवादियों ने पुलिस थाना धामल हंजपोरा पर ग्रेनेड फेंका जो लक्ष्य से चूक गया और सडक़ के किनारे विस्फोट हो गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।घायलों को एजाज अहमद भट्ट , सब्जार अहमद हजम, बिलाल अहमद खटाना, रियाज भट्ट और सब्जार हजम के तौर पर हुई है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार आतंकियों ने दोपहर करीब 12.15 बजे दम्हाल हांजीपोरा पुलिस स्टेशन को निशाना बनाते हुए उस पर ग्रेनेड फेंका। लेकिन ग्रेनेड थाने के बाहर सडक़ पर गिरा और एक जोरदार धमाके के साथ फट गया। विस्फोट होते ही वहां अफरा-तफरी फैल गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की तरफ भागे। इस बीच, पुलिस व अर्द्धसैनिकबलों ने भी पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली। जवानों ने वहां जमीन पर पड़े चार जख्मी लोगों को उसी समय उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में घायलों का उपचार कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि अयाज के चेहरे पर, सब्जार के गले में, बिलाल के बाएं बाजू में और रियाज के सीने व शरीर के अन्य हिस्सों में ग्रेनेड से निकले छर्रों ने जख्म पहुंचाए हैं। सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर है। विस्फोट में लिप्त आर्तकियों को पकडने के लिए पुलिसए सेना और सीआरपीएफ के एक संयुक्त कार्यदल ने पुलिस स्टेशन के आस.पास के इलाकों की घेराबंदी करते हुए तलाशी अभियान भी चलाया है। लेकिन खबर के लिखे जाने तक इस हमले में लिप्त किसी आतंकी या उनके साथी को पकड़े जाने की सूचना नहीं थी। संबंधित अधिकारियों की मानें तो यह ग्रेनेड हमला जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों ने किया है।

2008 असम बम धमाके में दैमारी और नौ अन्य को उम्रकैद, 88 लोगों की हुई थी मौत

गुवाहटी । केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत ने वर्ष 2008 में असम में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों में नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी) के प्रमुख रंजन दैमारी और नौ अन्य दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सीबीआई की विशेष अदालत ने सोमवार को इस मामले में दैमारी और 14 अन्य आरोपियों को विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम तथा भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया था। दैमारी और नौ अन्य दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। सजा सुनाये जाने के बाद दैमारी ने संवाददाताओं से कहा कि वह इस फैसले को उच्चतर अदालत में चुनौती देंगे। गौरतलब है कि 30 अक्टूबर 2008 को हुए 11 सिलसिलेवार बम विस्फोटों में 88 लोगों की मौत हुई थी और 300 से अधिक लोग घायल हुए थे। ये धमाके गुवाहाटी, बोंगाईगांव, बारपेटा और कोकराझार में हुए थे। सीबीआई ने बताया था कि इन विस्फोटों में आरडीएक्स, अमोनियम नाइट्रेट और ट्राइनाइट्रोटॉलुइन का इस्तेमाल किया गया था।

संपादकीय

अटूट प्रतिबद्धता

फर्नांडिस का जाना देश के ऐसे नेता का जाना है, जिसने पूरा जीवन आम आदमी की आवाज बनकर जिया। भारत में अब उतने बड़े कद के ऐसे नेताओं की संख्या उंगलियों पर गिनने लायक होंगी जो संघर्षों से उठते हुए शीर्ष तक पहुंचे। वर्तमान पीढ़ी के लिए जार्ज का परिचय एक सांसद और मंत्री के रूप में होगा, लेकिन यह उनके जीवन का एक भाग है। यह ठीक है कि नौ बार लोक सभा चुनाव जीतना कोई सामान्य उपलब्धि नहीं है। वे तीन बार अलग-अलग विभागों के केंद्रीय मंत्री भी रहे। इन कार्यकालों की उनकी उपलब्धियां भी बहुत बड़ी हैं। 1998 के पोखरण नाभिकीय परीक्षण के समय रक्षा मंत्री वे ही थे। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी पर जब इसके खिलाफ हमला हुआ तो उनके लिए वह रक्षा कवच बनकर खड़े थे। एक समाजवादी का नाभिकीय बम के साथ दृढ़ता से खड़ा होना देश की रक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला था। करगिल युद्ध के दौरान सीमा पर सैनिकों का हौसला बढ़ाने के दृश्य आज भी हमारे मानस पटल पर अंकित हैं। सियाचिन का सबसे ज्यादा दौरा करने वाले रक्षा मंत्री का खिताब उनके ही नाम है। जार्ज ने किशोरावस्था में मुंबई के फुटपाथ से आम समस्याओं के लिए संघर्ष की शुरुआत की और सत्ता के विरोध व आंदोलनों के पर्याय बनते गए। 1974 का सबसे लंबे समय तक चलने वाला रेल हड़ताल उनके ही नेतृत्व में हुआ था। उस हड़ताल के समर्थन में देश भर के अनेक मजदूर संघों ने हड़ताल की। अपने विद्रोही स्वभाव के कारण वे सत्ता के निशाने पर हमेशा रहे। कितनी बार पुलिस बर्बरता के शिकार हुए, अस्पताल में भर्ती हुए और जेल गए। आपातकाल में वेश बदलकर सरकार के विरोध में अलख जगाते हुए वे गिरफ्तार हुए मगर जेल में भी उनकी गतिविधियां बंद नहीं हुई। जेल में कैद आपातकाल के साथियों के बीच बैठकें, विमर्श उनकी अनिवार्य दिनचर्या थी। सत्ता में रहते हुए भी आंदोलन और विद्रोह का उनका चरित्र बदला नहीं। आंदोलनकारियों के लिए उनका घर आश्रयस्थल की तरह था। पिछले एक दशक से बीमार रहने के कारण उनकी सक्रियता खत्म हो गई थी, किंतु उनके चाहने वालों के लिए बिस्तर पर पड़े हुए भी वे प्रेरणास्रेत थे। सत्ता की राजनीति में ऐसा व्यक्तित्व हमें अब शायद ही मिले जो संघर्षशील कार्यकर्ता का अपना संस्कार बनाए रख सके। सादर श्रद्धांजलि।

आगामी बजट की योजना

राहुल गांधी ने देश के गरीबों को एक निश्चित आय उपलब्ध कराने की घोषणा की है। वस्तुत: यह आय नहीं बल्कि गरीबों को दिए जाने वाले दान की घोषणा है। राहुल की घोषणा इन चर्चाओं के बीच आईहै कि सरकार आगामी बजट में ऐसी योजना ला रही है। लेकिन राहुल की घोषणा में बहुत सारी बातें ऐसी हैं, जिनका स्पष्टीकरण अभी सामने नहीं आया है। उदाहरण के तौर पर गरीबी को मापने का पैमाना क्या होगा यानी कौन वे लोग होंगे जिन्हें यह आजीविका राशि उपलब्ध कराईजाएगी ?यह सवाल भी अनुत्तरित है कि व्यक्ति की गरीबी तय करने के लिए वे वर्तमान मानकों को लागू करेंगे या अपना मानक तय करेंगे। दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि सरकार प्रति गरीब को कितना पैसा उपलब्ध कराएगी। और अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि गरीबों को निश्चित आय उपलब्ध कराने के लिए किन स्रेतों से धन जुटाया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से समय-समय पर कल्याणकारी योजनाएं लागू की जाती रही हैं, लेकिन इनका सर्वाधिक दुखद पहलू यह है कि इस तरह की ज्यादातर जनपक्षीय योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। इसीलिए राहुल को यह भी बताना चाहिए था कि योजना के वास्तविक लाभार्थी तक लाभ किस माध्यम से पहुंचाएंगे। इन सारी बातों के स्पष्टीकरण के बिना इस योजना को भी मोदी सरकार द्वारा सामान्य वर्ग के गरीब तबकों को दस फीसद आरक्षण दिए जाने की घोषणा की तरह मात्र एक चुनावी हथकंडा माना जाएगा। राहुल की घोषणा जो दूसरा संकेत करती है, वह अधिक चिंताजनक है। इस घोषणा में यह निहित है कि उनके पास गरीबी उन्मूलन के लिए कोई संरचनात्मक योजना नहीं है, और न ही उनके पास किसी भी ऐसे आर्थिक ढांचे की रूपरेखा है, जो स्वत: ही गरीबी का उन्मूलन करती हो। मतलब यह कि जो लोगों को आजीविका अर्जित करने लायक रोजगार उपलब्ध कराती हो। जिस तरह से किसानों की कर्जमाफी किसानों की समस्याओं का वास्तविक हल नहीं है, उसी तरह से कुछगरीबों को सरकारी दान उपलब्धकरा देना गरीबी उन्मूलन का वास्तविक हल नहीं है। समय की मांग तो यह है कि राजनेता अगर देश का भला चाहते हैं, तो उन्हें गरीबी, बेरोजगारी जैसी समस्याओं का वास्तविक और ठोस हल तलाशना चाहिए न कि चुनावी लाभ के लिए अस्थायी उपायों की शरण में जाना चाहिए।

भूल पाना मुश्किल

गुरुदेव को अपनी मृत्यु के बाद 35 साल तक प्रतीक्षा करनी पड़ी, जब मैडम यानी इंदिरा गांधी ने 26 जून को उनकी पंक्तियों पर भी सेंसर लगा दिया।``गीतांजलि' में उन्होंने लिखा था,``जहां ज्ञान मुक्त है,जहां शब्द सत्य की गहराई से आते हैं उस स्वाधीनता के दिव्यलोक में,मेरे प्रभु मेरा यह देश जागे !'' जार्ज फर्नांडिस की इस मन:स्थिति को समझते हुए आपातकाल में उनकी भूमिका को समझा जा सकता है, जो उन्होंने आपातकाल में अपनी जान हथेली पर रखकर अपनाई थी। उन पर और उनके करीब दो दर्जन साथियों पर बड़ौदा डायनामाइट षड्यंत्र का मुकदमा चला था। यह देशद्रोह का मुकदमा था, जिसके तहत यह आरोप लगा था कि वे हथियार के बल पर राज सत्ता पलटना चाहते थे। पूछताछ के दौरान इन्हें प्रताड़ित किया गया। कुछ खास बातें सीबीआई जार्ज से कहलवाना चाहती थी। पर जार्ज ने साफ मना कर दिया। हिरासत में रात-रात भर उन्हें तेज रोशनी में रखा जाता था ताकि वे सो भी न सकें। पर, जार्ज ने सीबीआई से कह दिया था।

सतीश पेडणोकर

यदि आपातकाल नहीं हटता तो राष्ट्रद्रोह के आरोप में उन्हें फांसी की भी सजा हो सकती थी। ऐसा ही मुकदमा हुआ था उन पर। उनके द्वारा तैयार एक अंडरग्राउंड बुलेटिन के यह अंश का आज पढ़ना दिलचस्प होगा-''''जब 26 जून 1975 को मैडम ने तानाशाही अख्तियार की, तब उनके सेंसर कानूनों ने कुछ ऐसा चमत्कार किया, जो बड़े-से-बड़े भारत विरोधी अंग्रेज शासक ने ब्रिटिश राज के दिनों में करने का साहस नहीं किया था। नागरिक स्वाधीनता पर, प्रेस की स्वतंत्रता पर फासिज्म पर नेहरू जी ने जो कहा था, उस पर तो प्रतिबंध लग ही गया, महात्मा गांधी के कथन पर भी रोक लग गई। हालांकि इन दोनों को अंग्रेजों ने गिरफ्तार किया था, पर उनके विचारों पर रोक कभी नहीं लगाई थी। पर एक व्यक्ति था, जिसे न उन्होंने कभी गिरफ्तार किया न उसके शब्दों पर रोक लगाई। वे थे गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर।

गुरुदेव को अपनी मृत्यु के बाद 35 साल तक प्रतीक्षा करनी पड़ी, जब मैडम यानी इंदिरा गांधी ने 26 जून को उनकी पंक्तियों पर भी सेंसर लगा दिया।''गीतांजलि' में उन्होंने लिखा था,''जहां ज्ञान मुक्त है,जहां शब्द सत्य की गहराई से आते हैं उस स्वाधीनता के दिव्यलोक में,मेरे प्रभु मेरा यह देश जागे !'' जार्ज फर्नांडिस की इस मन:स्थिति को समझते हुए आपातकाल में उनकी भूमिका को समझा जा सकता है, जो उन्होंने आपातकाल में अपनी जान हथेली पर रखकर अपनाई थी। उन पर और उनके करीब दो दर्जन साथियों पर बड़ौदा डायनामाइट षड्यंत्र का मुकदमा चला था। यह देशद्रोह का मुकदमा था, जिसके तहत यह आरोप लगा था कि वे हथियार के बल पर राज सत्ता पलटना चाहते थे। पूछताछ के दौरान इन्हें प्रताड़ित किया गया। कुछ खास बातें सीबीआई जार्ज से कहलवाना चाहती थी। पर जार्ज ने साफ मना कर दिया। हिरासत में रात-रात भर उन्हें तेज रोशनी में रखा जाता था ताकि वे सो भी न सकें। पर, जार्ज ने सीबीआई से कह दिया था कि चाहे मार दो, पर मैं नहीं बताऊंगा कि क्या किया ? यह बात मुझे जार्ज ने बाद में बताई थी। जार्ज फर्नांडिस तो सिर्फ शांत तालाब में कंकड़ फेंक कर हलचल पैदा करना चाहते थे, जिस तरह भगत सिंह ने सेंट्रल एसेंबली में बम फेंका था-बहरी सरकार को सुनाने के लिए।

जून 1975 में एक लाख से भी अधिक नेताओं-कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी व सारी प्रतिपक्षी राजनीतिक गतिविधियों पर कठोर प्रतिबंध के बाद देश में प्रतिपक्षी राजनीति की दृष्टि से श्मशान की शांति छा गई थी। अखबारों पर लगे कठोर सेंसरशिप ने वातावरण को और भी दमघोटूं बना दिया था। बंबई के मजदूर नेता के रूप में भी जार्ज फ र्नांडिस का जीवन जुझारू व उथल-पुथल वाला रहा था। पर आपातकाल की तो बात ही कुछ और थी। सन् 1963 में जार्ज का नाम पूरे देश में गूंजा था, जब वे पूरी बंबई बंद कराने में सफल रहे थे। बसों, टैक्सियों व नगर निगम के कर्मचारियों में उनकी मजबूत यूनियन थी। 1967 में तो जार्ज ने मुंबई के बेताज बादशाह व तत्कालीन केंद्रीय मंत्री एस.के.पाटिल को लोक सभा चुनाव में पराजित कर दिया था। इस कारण वे जाइंट किलर कहलाए थे। जब 1975 में आपातकाल लगा तो जार्ज का और भी क्रांतिकारी स्वरूप सामने आया। 25 जून को वे ओडिशा में थे। आपातकाल लगते ही उन्होंने तय किया कि वे गिरफ्तारी नहीं देंगे वरन संघर्ष करेंगे। लंबी व थकाऊ बस यात्रा करके वे ओडिशा से कोलकाता पहुंचे। वहां उन्होंने समाजवादी साथी व नेता विद्या बाबू से मुलाकात की। उनसे कुछ पैसे लिये और टैक्सी से पटना रवाना हो गए। कुछ दूर तक तो टैक्सी ड्राइवर ने गाड़ी चलाई। पर जब वह आगे बढ़ने को तैयार नहीं हुआ तो आधे रास्ते से जार्ज खुद टैक्सी ड्राइव कर पटना पहुंचे। पटना में दो-तीन दिन रु क कर साथियों को गोलबंद किया। फिर तो वह देश भर घूमते रहे। आपातकाल विरोधी गतिविधियां देश भर में चलाते रहे। वे निश्चिंत तभी हुए, जब 1977 के चुनाव के बाद देश में मोरारजी देसाई की सरकार बनी। उन्होंने पहले संचार मंत्री और बाद में उद्योग मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। जार्ज के अंडरग्राउंड जीवन के दो प्रकरण पढ़ना रोमांचकारी होगा जिसका मैं गवाह व सहभागी रहा। आपातकाल में हम भूमिगत साथी जार्ज से मिलने कोलकाता गए थे।

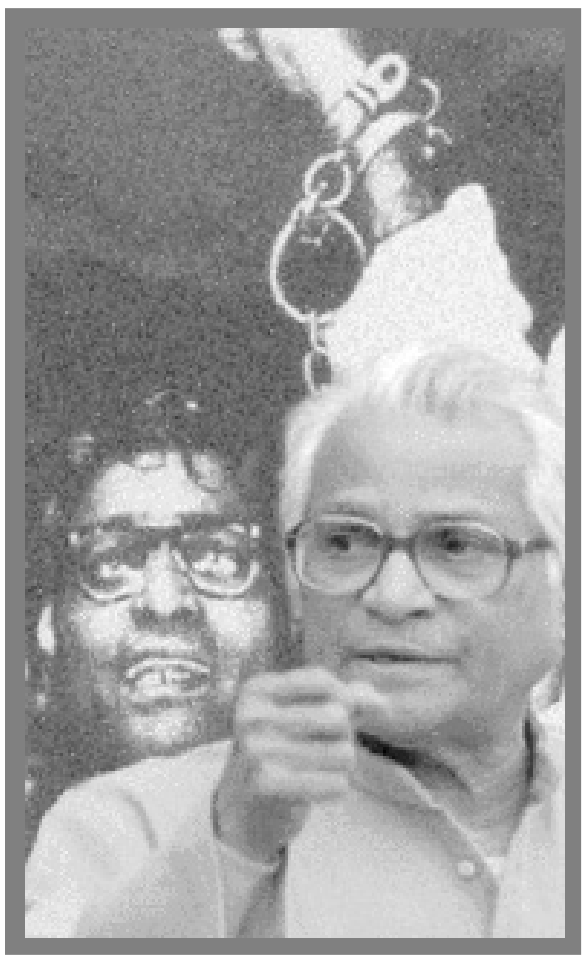

उल्टा डांगा में एक चाय दुकान पर बिठाकर हम बगल की झोपड़ी में एक अन्य साथी को खोजने निकले। दुकान पर बैठे जार्ज ने इस बीच चाय पी थी। जब हम लौटे और जार्ज चाय का पैसा देने लगे तो दुकानदार उनके सामने हाथ जोड़ कर खड़ा हो गया। उसने कहा, ''हुजूर हम आपसे पैसा नहीं लेंगे।' इस पर जार्ज थोड़ा घबरा गए। उन्हें लग गया कि वे पहचान लिये गए। अब गिरफ्तारी में देर नहीं होगी। जार्ज को परेशान देखकर मैं भी पहले तो घबराया, पर मुझे बात समझने में देर नहीं लगी। मैंने कहा कि जार्ज साहब, चलिए मैं इन्हें बाद में पैसे दे दूंगा। मैं यहीं पास की झोपड़ी में टिका हुआ हूं। फिर काफी तेजी से हम टैक्सी की ओर बढ़े जो दूर हमारा इंतजार कर रही थी। तब जार्ज पादरी की पोशाक में थे और हाथ में एक अंग्रेजी किताब थी। दूसरा प्रकरण बेंगलुरू का है। पिछले कर्नाटक विधान सभा चुनाव को लेकर कर्नाटक के कई स्थानों की चर्चा मीडिया में हो रही थी। उसमें एक नाम रामगढ़ का भी है। वही रामगढ़ जहां ''शोले' फिल्म की शूटिंग हुई थी। बेंगलुरू-मैसूर मार्ग पर बेंगलुरू से 50 किलोमीटर दूर है रामनगरम यानी रामगढ़। इमरजेंसी में मैं बेंगलुरू गया था-लाड़ली मोहन निगम के साथ। करीब एक सप्ताह तक एक होटल में टिके थे। एक ही कमरे में तीन जन-जे.एच.पटेल, लाड़ली मोहन निगम और मैं। पटेल बाद में वहां के मुख्यमंत्री बने और निगम राज्य सभा सदस्य। उन दिनों बेंगलुरू की आबोहवा इतनी अच्छी थी कि वातानुकूलित सिनेमा हॉल से निकलने के बाद बाहर ही अच्छा लगता था। गहरे भूमिगत जार्ज के साथ हर रात हम रामगढ़ की पहाड़ी के पास जाते थे। क्या करने जाते थे, यह बताना यहां जरूरी नहीं। आपातकाल विरोधी काम का ही वह हिस्सा था। एक प्रकरण आपातकाल से पहले का। एक पत्रिका में छपी किसी तथाकथित आपत्तिजनक सामग्री पर संसद में लगातार पांच दिनों तक गरमागरम चर्चा हो, ऐसा जार्ज के कारण ही हुआ। वह पत्रिका प्रतिपक्ष थी, जिसके प्रधान संपादक जार्ज थे। सामग्री ऐसी थी कि संसद कोई कार्रवाई नहीं कर सकी थी।

चलते चलते

फैट्स का दरिया में कैट्स का उछलना।

जयपुर लिट्रेचर फेस्टिवल से लौटा हूं! जाऊंगा कहां, डायरी देख कर बताऊंगा।-तौ जयपुर की बात बता! मेरे सत्र का विषय था, ''हंसो और हंसने दो'। साथ में बात करने के लिए बैठे थे, सत्यानंद निरु पम। मुगल टेंट खचाखच भरा हुआ था। शुरु आत में माइक को लेकर कुछ गफलत हुई। लंबे तार वाले दो माइक हम दोनों के लिए दाएं-बाएं रखे हुए थे। मैं अपने बाई ओर उन्हें प्रारंभिक वक्तव्य देते हुए देख रहा था। मैंने बीच में कुछ कहने के लिए उन्हीं का माइक लिया। आयोजकों ने इधर का माइक उधर और उधर का इधर कर दिया। भूल को फिर सुधारा गया। मेरा माइक मेरे पास इधर आया, उनका उनके पास उधर गया। हम दोनों के पास अपने-अपने माइक आ गए। अब उन्होंने तसल्ली से सवाल पूछा, ''हंसी आती कहां से है ?' मैंने माइकों की ओर इशारा करते हुए सहज भाव से कह दिया, ''हंसी इधर-उधर हाथ मारने से आती है। इधर का उधर करने से आती है।' मुगल टेंट में जोरदार ठहाके लगे। मैं निश्चिंत हो गया, श्रोता अच्छे हैं। फिर तो अज्ञानात्मक ज्ञान और ज्ञानात्मक अज्ञान में एक घंटा कहां निकल गया पता ही नहीं चला। ज्ञान-अज्ञान की दास्तान हमेंऊ सुनाय दै !-कहने का मतलब कि हंसी विपर्यय, विद्रूप, विरोधाभास, आंगिक चेष्टाओं, वाचिक प्रत्युत्पन्नमति, आहार्य यानी, असामान्य मेकअप वेषभूषा से आती है। हंसी निकटता लाती है और जब आती है तो धुंआधार आती है। रोक नहीं सकते आप। गाल गुलेल हो जाते हैं, सारे ब्रेक फेल हो जाते हैं। ये हंसी अपना वोंकि कुछ इस तरह कसती है कि मुंह दांत भींच लो तो तोंद हंसती है। देखा है कभी किसी तोंद का हंसना! फैट्स के दरिया में जैसे कैट्स का उछलना। तो हंसी आती है पैट्स और कैट्स के कारण। हंसी एक कैट्स्कैन है, वह आपको स्कैन करके सोचती है कि आऊं कि नहीं आऊं! बहरहाल चचा, हंसी की चेतना, दर्शन, व्याकरण, गणित और समीकरण पर सुपर-शास्त्रीय बातें हुई। -आजकल्ल जो तोंद, कुर्सी पै गोंद लगाइबे के समीकरन में लगी भई ऐं, उनै हंसाय कै दिखा!

मेरे सत्र का विषय था, ''हंसो और हंसने दो'। साथ में बात करने के लिए बैठे थे, सत्यानंद निरु पम। मुगल टेंट खचाखच भरा हुआ था। शुरु आत में माइक को लेकर कुछ गफलत हुई। लंबे तार वाले दो माइक हम दोनों के लिए दाएं-बाएं रखे हुए थे। मैं अपने बाई ओर उन्हें प्रारंभिक वक्तव्य देते हुए देख रहा था। मैंने बीच में कुछ कहने के लिए उन्हीं का माइक लिया। आयोजकों ने इधर का माइक उधर और उधर का इधर कर दिया।

फोटोग्राफी...

संगम में डुबकी लगाते उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रवाद मौर्य, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष व साधु संत।

सत्संग

कोशिश

ये जो कुछ कह रहा हूं वह इसलिए नहीं है कि मुझे आप के बारे में कोई चिंता नहीं है या मैं संवेदनहीन हूं लेकिन इसलिए कि आपको जो हो रहा है, उसका स्वभाव, उसकी प्रकृति यही है। अगर आप खुद को डिप्रेशन की स्थिति में ला रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि आप पर्याप्त मात्रा में तीव्र भावनाएं और विचार अपने मन में पैदाकर रहे हैं, लेकिन गलत दिशा में। अगर किसी विशेष बात के लिए आप की भावनाएं बहुत प्रबल नहीं हैं या आप के विचार अत्यन्त तीव्र नहीं हैं तो आप का मन निराश नहीं हो सकता, आप डिप्रेशन में नहीं हो सकते। बात बस ये है कि आप ऐसे विचार और भावनाएं पैदा कर रहे हैं जो आप के खिलाफ काम कर रही हैं, आप के लिए नहीं। तो अपने आपको डिप्रेशन की स्थिति में लाने के लिए आप पर्याप्त रूप से समर्थ हैं। ज्यादातर डिप्रेशन खुद अपने ही बनाए हुए होते हैं। बहुत कम ही लोग वास्तव में किसी रोग के कारण डिप्रेशन में होते हैं। वे कुछ नहीं कर सकते, उनका डिप्रेशन अंदर से, किसी आनुवांशिक कमजोरी या ऐसे ही किसी अन्य कारण से होता है। बाकी लगभग सभी लोगों को पागल किया जा सकता है क्योंकि स्थिर मानसिकता और पागलपन की सीमा रेखा में अंतर बहुत ही पतला, महीन होता है। लोग इसे लगातार धक्का मारते रहते हैं, इसे पार करने में लगे रहते हैं। जब आप गुस्सा होते हैं तब आप इस बीच के अंतर को कम कर देते हैं। वास्तव में आप जानते भी हैं कि आप इस रेखा को पार कर रहे हैं, अंतर को कम कर रहे हैं। इसीलिए कई बार लोग ऐसा कहते हैं, ''मैं आज उस पर (गुस्से से) पागल हो गया था'। कृपया देखिए, आप किसी पर पागल नहीं होते, आप बस पागलपन की ओर जा रहे होते हैं। आप ''किसी पर पागल' नहीं हो सकते। आप बस स्थिर मानसिकता की सीमारेखा को कुछ समय के लिए लांघते हैं, पागलपन की अवस्था तक पहुंचते हैं और फिर वापस आ जाते हैं। आप इसे रोज क्यों नहीं आजमाते ? हर दिन 10 मिनट, किसी पर जबरदस्त, तीव्र गुस्सा करके देखें! आप देखेंगे कि 3 महीनों में आप, डिप्रेशन के रोगी हो जाएंगे। हां, क्यों नहीं ? अगर आप चाहते हैं तो ऐसा कीजिए, कोशिश कीजिए! क्योंकि अगर आप उस सीमा रेखा को पार करते रहेंगे, अगर आप रोज पागलपन करते रहेंगे तो एक दिन आप बिलकुल वापस नहीं आ पाएंगे। तब आप को चिकित्सकीय रूप से बीमार घोषित कर दिया जाएगा।

''भारत के लोग'

जब हम ''भारत के लोग' अपना नया स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, बाबा नागार्जुन की एक प्रसिद्ध कविता का वह सवाल पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है, जिसमें पहले वे पूछते हैं : किसकी है जनवरी, किसका अगस्त है ? बाबा अपने सवाल को कौन त्रस्त, कौन पस्त और कौन मस्त तक भी ले जाते हैं, तो लगता है कि उन्हें आज की तारीख में हमारे सामने उपस्थित विकट हालात का पहले से इल्म था।

इन हालात की विडम्बना देखिए : एक ओर तो अब हमारे नेता देश को समता, स्वतंत्रता और न्याय पर आधारित संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने का 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित संकल्प को संविधान की पोथियों में भी चैन से नहीं रहने देना चाहते; और दूसरी ओर गैर-बराबरी का भस्मासुर न सिर्फ हमारी बल्कि दुनिया भर की जनतांत्रिक शक्तियों के सिर पर अपना हाथ रखकर उन्हें धमकाने पर आमादा है कि लोकतंत्र की अपनी परिकल्पनाओं को लेकर किसी मुगालते में न रहें। अमीरी का जाया यह असुर उनके सारे के सारे मूल्यों को तहस-नहस करने का मंसूबा लिए उन्मत्त होकर आगे बढ़ा आ रहा है, और आरजू या मिनती कुछ भी सुनने के मूड में नहीं है।

अभी जब हम अपना पिछला गणतंत्र दिवस मनाने वाले थे, गरीबी उन्मूलन के लिए काम करने का दावा करने वाले ऑक्सफेम इंटरनेशनल ने एक सर्वेक्षण में बताया गया था कि आर्थिक विषमता की, जो सभी तरह की स्वतंत्रताओं और इंसाफों की साझा दुश्मन है, दुनिया भर में ऐसी पौ-बारह हो गई है कि पिछले साल बढ़ी 762 अरब डॉलर की संपत्ति का 82 फ ीसदी हिस्सा एक प्रतिशत धनकुबेरों के कब्जे में चला गया है, अधिसंख्य आबादी को जस की तस बदहाल रखते हुए।

इस संपत्ति के रूप में धनकुबेरों ने गरीबी को सात बार सारी दुनिया से खत्म कर सकने का सार्मय इस एक साल में ही अपनी मुट्ठी में कर लिया तो क्या आश्चर्य कि गरीबों के लिए ''कर लो दुनिया मुट्ठी में' का अर्थ एक संचार सेवाप्रदाता कंपनी के झांसे का शिकार होना भर हो गया है। तिस पर अनर्थ यह कि 50 प्रतिशत अत्यंत गरीब आबादी को आर्थिक वृद्धि में कतई कोई हिस्सा नहीं मिल पाया है, जबकि अरबपतियों की संख्या बढ़कर 2,043 हो गई है। इनमें 90 फीसदी पुरुष हैं यानी यह आर्थिक ही नहीं लैंगिक असमानता का भी मामला है, पितृसत्ता के नये सिरे से मजबूत होने का भी। देश की जिस अर्थव्यवस्था के अभी हाल तक ''दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था' होने का दावा किया जाता रहा है, उसमें अमीरों द्वारा सब-कुछ अपने कब्जे में करते जाने की रफ्तार इतनी तेज हो गई है कि 2016 में 58 प्रतिशत संपत्ति के स्वामी एक प्रतिशत अमीरों के कब्जे में अब 73 प्रतिशत संपत्ति है यानी 2017 में उनकी कुल संपत्ति में 20.7 लाख करोड़ की बढ़ोतरी हुई, जो उसके पिछले साल 4.89 लाख करोड़ रु पये ही थी। चूंकि हमने बेरोकटोक भूमंडलीकरण को सिर-माथे लेकर अनेकानेक विदेशी कंपनियों को देश में कमाया मुनाफा देश से बाहर ले जाने की छूट भी दे रखी है, इसलिए विदेशी अरबपतियों को खरबपति बनाने में भी हमारा कुछ कम योगदान नहीं है। ऐसे में यह समझने के लिए अर्थशास्त्र की बारीकियों में बहुत गहरे पैठने की जरूरत नहीं कि यह अमीरी ज्यादा से ज्यादा लोगों को आर्थिक विकास का फायदा देकर यानी ''सबका साथ, सबका विकास' के नारे को सदाशयता से जमीन पर उतारकर संभव ही नहीं थी।

भारत के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिये न्यूजीलैंड टीम में दो नये चेहरे

वेलिंगटन। भारत के खिलाफ छह फरवरी से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिये न्यूजीलैंड ने दो नये खिलाड़ियों हरफनमौला डेरिल मिशेल और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनेर को टीम में जगह दी है। नियमित कप्तान केन विलियमसन को 14 सदस्यीय टीम का कप्तान चुना गया। वह श्रीलंका के खिलाफ एक टी20 मैच से बाहर रहे थे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक बयान में कहा, ''डग ब्रासवेल को चोटिल जिम्मी नीशाम की जगह टीम में चुना गया था जिन्होंने अपनी जगह बरकरार रखी है।'' भारतीय टीम की कमान रोहित शर्मा संभालेंगे चूंकि विराट कोहली को आराम देने का फैसला किया गया है। मिशेल और टिकनेर को न्यूजीलैंड की घरेलू टी20 लीग सुपर स्मैश में अच्छे प्रदर्शन का ईनाम मिला है। तीन मैचों की श्रृंखला के दौरान दोनों देशों की महिला टीमों के मैच भी समान पिच पर खेले जायेंगे।

न्यूजीलैंड टीम: केन विलियमसन (कप्तान), डग ब्रासवेल, कोलिन डे ग्रांडहोमे, लोकी फग्युर्सन, मार्टिन गुप्टिल, स्काट के, डेरिल मिशेल, कोलिन मुनरो, मिशेल सेंटनेर, टिम सेइफर्ट, ईश सोढी, टिम साउदी, रोस टेलर, ब्लेयर टिकनेर।

मानसिक रूप से मजबूत साइना के पास आल इंग्लैंड जीतने का सुनहरा मौका: विमल

नयी दिल्ली। साइना नेहवाल के पूर्व कोच विमल कुमार का मानना है कि वह मानसिक रूप से देश की सबसे मजबूत बैडमिंटन खिलाड़ी हैं और इतने लंबे कैरियर का राज चोटों से उबरकर वापसी करने की उसकी क्षमता है। साइना पिछले साल के आखिर में चोटिल हुई थी लेकिन वापसी करके उसने इंडोनेशिया मास्टर्स खिताब जीता जब कैरोलिना मारिन ने पैर की चोट के कारण फाइनल छोड़ दिया। 2014 से 2017 तक साइना के कोच रहे विमल ने प्रेस ट्रस्ट से कहा कि वह मानसिक रूप से सबसे मजबूत है। पुरूष खिलाड़ियों से भी ज्यादा। उन्होंने कहा कि कोर्ट पर होने पर वह ज्यादा नहीं सोचती। उसे इससे भी फर्क नहीं पड़ता कि उसे दर्द हो रहा है। वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके विरोधी के लिये मुश्किलें खड़ी करती है। विमल का मानना है कि मारिन और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ताइ झू यिंग के चोटिल होने से साइना और पी वी सिंधू के पास आल इंग्लैंड खिताब जीतने का सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा कि इंडोनेशिया में मिली जीत से साइना का आत्मविश्वास काफी बढा होगा और इससे उसे आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप जीतने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि कैरोलिना को चोट से उबरने में पांच छह महीने लगेंगे लिहाजा आल इंग्लैंड में मुकाबला खुला होगा। कैरोलिना और ताइ झू प्रबल दावेदार थी। अब साइना और सिंधू के पास सुनहरा मौका है।

मार्च में 29 बरस की होने जा रही साइना शीर्ष 10 में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी है और विमल का कहना है कि उसे फार्म बरकरार रखने के लिये चतुराई से अभ्यास करना होगा। उन्होंने कहा कि वह कई बार चोटों का शिकार हुई है। मैं ओलंपिक में उसके साथ था। वह अच्छी तैयारी कर रही थी और अचानक चोट लग गई। उसने वापसी की और इसके लिये उसे श्रेय देना चाहिये। अब उसे चतुराई से अभ्यास करना होगा क्योंकि अगले साल ओलंपिक है। इतनी दूर की नहीं सोचें तो अभी आल इंग्लैंड में खिताब पर फोकस करना चाहिये।

रोजर फेडरर को झटका, तीन पायदान खिसककर शीर्ष पांच से बाहर

पेरिस। नोवाक जोकोविच ने आस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने पर विश्व में नंबर एक स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है लेकिन रोजर फेडरर शीर्ष पांच से बाहर हो गये हैं। जोकोविच ने दो घंटे तक चले फाइनल मैच में रफेल नडाल को हराया। नडाल ने दूसरा स्थान बरकरार रखा है लेकिन फेडरर तीन पायदान नीचे छठे स्थान पर खिसक गये हैं। मेलबर्न में शुरुआती दौर में बाहर होने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के केविन एंडरसन एक पायदान ऊपर पांचवें स्थान पर पहुंच गये हैं। जापान के केई निशिकोरी दो पायदान ऊपर सातवें स्थान पर हैं। स्टीपास तीन पायदान आगे बढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गये हैं।

राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप ए डिविजन: खिताब के लिए उतरेंगे बड़े खिलाड़ी

ग्वालियर। रमनदीप सिंह, रूपिंदर पाल सिंह और एसवी सुनील जैसे शीर्ष हॉकी खिलाड़ी गुरुवार से शुरू हो रही सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप ए डिविजन में अपनी-अपनी टीमों की ओर से चुनौती पेश करेंगे। भारत के स्टार खिलाड़ियों की मौजूदगी वाली यह लीग 11 दिन चलेगी। इस टूर्नामेंट के साथ भारतीय स्ट्राइकर रमनदीप सिंह लगभग छह महीने बाद वापसी करेंगे। उन्हें पिछले साल एफआईएच चैंपियन्स ट्राफी के दौरान चोट लगी थी। रमनदीप गत चैंपियन हॉकी पंजाब के लिए रूपिंदर पाल और आकाशदीप जैसे खिलाड़ियों के साथ खेलेंगे। पिछले साल घुटने की चोट के कारण पुरुष विश्व कप से बाहर रहे अनुभवी फारवर्ड एसवी सुनील हॉकी कर्नाटक के कप्तान की भूमिका में नजर आएंगे जबकि पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के लिए वरुण कुमार, कोथाजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, हार्दिक सिंह, गुरजंत सिंह, मनदीप सिंह और बीरेंद्र लाकड़ा जैसे खिलाड़ी मैदान पर उतरेंगे। चैंपियनशिप में 20 टीमें हिस्सा लेंगी जिन्हें पांच-पांच टीमों के चार ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी।

पूल ए में हॉकी पंजाब, हॉकी चंडीगढ़, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज, द मुंबई हॉकी संघ लिमिटेड और सेना खेल नियंत्रण बोर्ड को रखा गया है। पूल बी में पिछले साल के उप विजेता पीएसपीबी, भारतीय नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, हॉकी हरियाणा, हॉकी भोपाल और केंद्रीय आरक्षी पुलिस बल को जगह मिली है। पंजाब एवं सिंध बैंक, उत्तर प्रदेश हाकी, हॉकी गंगपुर ओडिशा, पंजाब नेशनल बैंक और रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड को पूल सी में जबकि एयर इंडिया खेल संवर्धन बोर्ड, हॉकी ओडिशा, नामधारी एकादश, हॉकी कर्नाटक और कैनरा बैंक को ग्रुप डी में जगह मिली है।

भारत की नजरें क्लीन स्वीप पर, रोहित की यादगार दोहरे शतक पर

नेपियर (एजेंसी)।

हैमिल्टन। दोहरे शतक जमाने में माहिर भारतीय टीम के कार्यवाहक कप्तान रोहित शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे एक दिवसीय क्रिकेट मैच में अंतरराष्ट्रीय मैचों का अपना 'दोहरा शतक' यादगार बनाना चाहेंगे। श्रृंखला पहले ही जीत चुकी भारतीय टीम की नजरें 'क्लीन स्वीप ' पर रहेगी। वहीं वनडे क्रिकेट में तीन दोहरे शतक बना चुके रोहित कार्यवाहक कप्तान के रूप में अपने उम्दा रिकार्ड को कायम रखना चाहेंगे। सेडन पार्क की बल्लेबाजों की मददगार पिच पर न्यूजीलैंड के लिये फार्म में चल रहे भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना आसान नहीं होगा।

भारत अगर 4-0 की बढत बना लेता है तो किसी भी प्रारूप में 52 साल में न्यूजीलैंड में यह उसकी सबसे बड़ी जीत होगी। भारत ने पहली बार 1967 में न्यूजीलैंड का दौरा किया था। बाकी दो मैचों मिल रहा है। तेज गेंदबाज डग ब्रासवेल और लेग स्पिनर ईश सोढी भी नहीं चल पाये। हरफनमौला जिम्मी नीशाम को टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज करने की करेंगे कोशिश: मिताली राज

माउंट माउंगानुइ (एजेंसी)।

कप्तान मिताली राज ने मंगलवार को दूसरे एकदिवसीय में जीत के बाद कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लक्ष्य न्यूजीलैंड के खिलाफ इस श्रृंखला में सूपड़ा साफ करने का है। भारतीय टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा मैच आठ विकेट से अपने नाम किया। इससे पूर्व टीम ने पहले एकदिवसीय को नौ विकेट से जीता था। तीसरा वनडे शुक्रवार को खेला जाएगा। मिताली ने कहा, 'हम निश्चित तौर पर 3-0 से जीतना चाहेंगे। इसके साथ ही हम युवा खिलाड़ियों को मौका देना चाहेंगे।'

उन्होंने कहा कि शुरूआत में कई लोगों ने मुझसे पूछा था कि क्या ऐसी पिचों पर स्पिनर प्रभावी गेंदबाजी कर पायेंगे। स्पिनरों ने शानदार प्रदर्शन किया और स्मृति (मंधाना) तथा जेमिमा रोड्रिगेज काफी रन बना रही हैं। भारतीय शीर्ष क्रम के दमदार प्रदर्शन के कारण टीम की स्टार बल्लेबाज हरमनप्रीत कौर को अभी तक बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला है। मिताली ने कहा कि बल्लेबाजों को परखने का पूरा मौका नहीं मिला। एक मायने में यह अच्छा है क्योंकि जिसे भी मौका मिल रहा है वह अच्छा कर रहा है।

टी20 टीम की कप्तान हरमनप्रीत को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिलने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जब और जैसे भी बल्लेबाजों को मौका मिलाता वे परिस्थितियों के मुताबिक खेलते हैं। हां, हर बल्लेबाज चाहेगा कि वह मैदान पर उतरे और रन बनाये। भारतीय कप्तान ने कहा, 'अगले मैच में जाने से पहले हमारा आत्मविश्वास काफी बढ़ा होगा लेकिन दोनों मैच कम स्कोर वाले रहे हैं और जिसे भी मौका मिला है उसने रन बनाये।' मंधाना ने दोनों मैचों में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 105 और नाबाद 90 रन की पारी खेली। मिताली ने मंगलवार को 111 गेंद में नाबाद 63 रन की पारी खेली।

टीम के बल्लेबाजी विभाग में अपनी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, 'जब तब मैं रन बना रही हूं तब तक मैं सहायक बल्लेबाज की भूमिका या टीम की जरूरत के हिसाब से खेलने को तैयार हूं'।' झूलन गोस्वामी ने 23 रन देकर तीन विकेट लिये। स्पिन तिकड़ी एकता बिष्ट, पूनम यादव और दीप्ति शर्मा को दो दो विकेट मिले । इस तिकड़ी ने पहले एकदिवसीय में भी आठ विकेट चटकाये थे।

टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय प्रशंसकों को होना पड़ सकता है निराश

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया में अगले साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी हो गया है. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने मंगलवार को महिला और पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के कार्यक्रम जारी कर दिए. ये दोनों वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया में खेले जाएंगे. भारतीय प्रशंसकों को वर्ल्ड कप में हमेशा ही पाकिस्तान से मुकाबले का इंतजार रहता है, लेकिन इस बार उन्हें कम से कम शुरुआती स्टेज में निराश होना पड़ेगा. भारत और पाकिस्तान को महिला और पुरुष दोनों ही वर्गों के टी20 वर्ल्ड कप में अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है. यानी, बहुत संभव है कि इस बार वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला ना देखने को मिले.

महिला टी20 विश्व कप 21 फरवरी से 8 मार्च तक खेला जाएगा. इसमें 10 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें दो क्वालिफायर टीमें होंगी. इन टीमों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है. ग्रुप ए में मेजबान ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और एक क्वालिफायर टीम है. ग्रुप बी में पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और एक क्वालिफायर टीम है. यानी भारत और पाकिस्तान का सामना तभी होगा, जब ये दोनों टीमें अपना ग्रुप स्टेज पार करके सेमीफाइनल में पहुंचेंगी. अगर दो में से कोई भी टीम ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई तो भारत-पाकिस्तान का मुकाबला नहीं होगा. पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 18 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच खेला जाएगा. इसमें कुल 16 टीमें खेलेंगी, जिनमें से 8 क्वलिफायर टीमें होंगी. पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में आठ टीमों मेजबान ऑस्ट्रेलिया, भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान को सीधे प्रवेश दिया गया है. श्रीलंका, जिम्बाब्वे और छह अन्य टीमों को क्वालिफायर टूर्नामेंट में खेलना होगा. चार क्वालिफायर टीमों को सुपर-12 में जगह मिलेगी, जिसमें भारत समेत आठ टीमें पहले से मौजूद रहेंगी. इन 12 टीमों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है. यह साफ है कि महिला टी20 वर्ल्ड कप की तरह पुरुष टी20 वर्ल्ड कप में भी भारत-पाकिस्तान ग्रुप स्टेज में नहीं भिड़ेंगे. इन दोनों का सामना तभी होगा, जब ये दोनों टीमें अपना सुपर-12 का स्टेज पार करके सेमीफाइनल में पहुंचेंगी. अगर दो में से कोई भी टीम ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई तो भारत-पाकिस्तान का मुकाबला नहीं होगा. पुरुष वर्ग में भारत का पहला मैच दक्षिण अफ्रीका से 24 अक्टूबर को होगा. सेमीफाइनल मुकाबले 11 और 12 नवंबर को एडिलेड ओवल में खेले जाएंगे. महिला वर्ल्ड कप में भारत अपने अभियान की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करेगा. यह मैच 21 फरवरी को खेला जाएगा.

विराट कोहली और रोहित शर्मा की तरह फिट रहना चाहती है भारतीय युवा ब्रिगेड

हैमिल्टन। शुभमान गिल और खलील अहमद समेत भारतीय टीम की युवा ब्रिगेड का कहना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर की फिटनेस उनके लिये प्रेरणास्रोत है। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने भी उनके सुर में सुर मिलाया। अपने साथी खिलाड़ी युजवेंद्र चहल से बातचीत में कुलदीप ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तेजी से उभरने का श्रेय टीम के कड़े फिटनेस कार्यक्रम को दिया। बातचीत का यह वीडियो बीसीसीआई टीवी पर डाला गया है। कुलदीप ने कहा कि ऐसा नहीं है कि मैं बहुत वर्जिश करता हूं। मैं अच्छे फिटनेस कार्यक्रम का अनुसरण करता हूं जो हमें दिया गया है। इससे हमें काफी मदद मिली है। उन्होंने कहा कि रोहित भाई, विराट भाई जैसे सीनियरों ने युवाओं को काफी प्रेरित किया है। उनकी फिटनेस देखकर हमें लगता है कि हमें भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिये। बायें हाथ के तेज गेंदबाज अहमद ने कहा कि आपको कभी भी खेलने का मौका मिल सकता है लिहाजा खुद को फिट रखना जरूरी है। व्यायाम की आदत होनी चाहिये जैसे मंजन करने की आदत होती है। गिल ने कहा कि हम फिटनेस शेड्यूल का अनुसरण करके खुद को फिट रखे हुए हैं। इस टीम का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं।

निलंबित पाक कप्तान सरफराज ने गलती मानते हुए कहा, सबक सीखा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के निलंबित कप्तान सरफराज अहमद ने दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी पर नस्ली टिप्पणी करने के मामले में मंगलवार को कहा कि उन्होंने इससे सीख ली है। दक्षिण अफ्रीका से स्वदेश लौटने के बाद सफराज ने कहा कि उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ और इसीलिए उन्होंने इस प्रकरण के तुरंत बाद सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ' यह गलती थी और मैंने इससे सीख ली है।'

आईसीसी ने आलराउंडर एंडिले फेलुकवायो के खिलाफ नस्ली टिप्पणी के लिये सरफराज पर चार मैचों का प्रतिबंध लगाया है जिसके बाद वह पाकिस्तान लौट आए। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईसीसी के इस फैसले पर निराशा जतायी थी। सरफराज ने इस समर्थन के लिए बोर्ड का शुक्रिया किया। उन्होंने कहा, '' पीसीबी इस मामले से जैसे निपटा मैं उसके लिए उनका शुक्रगुजार हूं। मैं चार मैचों के लिए प्रतिबंध लगाने के आईसीसी के फैसले को स्वीकार करता हूं और मेरे लिए यह मुद्दा खत्म हो गया है लेकिन पीसीबी मुझसे जो भी कहेगा मैं वह करूंगा।'' सरफराज के समर्थन में कराची हवाई अड्डे के बाहर सैकड़ो समर्थक खड़े थे जिन्होंने उनके समर्थन में नारे लगाये और आईसीसी का विरोध किया।

रिजर्व खिलाड़ी भी हैं विश्व कप के लिए तैयार: क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर

हैमिल्टन (एजेंसी)।

भारत के क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर को उम्मीद है कि अगले कुछ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में रिजर्व खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिलेगा क्योंकि टीम प्रबंधन चाहता है कि इस साल होने वाले आईसीसी के 50 ओवर के विश्व कप से पहले सभी खिलाड़ी मैच खेलने के लिए तैयार रहें। क्षेत्ररक्षण कोच श्रीधर खुश हैं कि टीम तैयार है और गेंदबाजी आक्रमण काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। श्रीधर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को होने वाले चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच से पूर्व कहा कि जीत ऐसी आदत है जिसे आप जारी रखना चाहते हैं और जोश को कम नहीं होने देना चाहते लेकिन हमें रिजर्व खिलाड़ियों को भी मैच खेलने का मौका देना होगा क्योंकि विश्व कप से पहले सिर्फ सात मैच बचे हैं।

अधिकांश समय स्थिति के अनुसार पहली पसंद वाली अंतिम एकादश लगभग तय होती है और दबाव की स्थिति में जब रिजर्व खिलाड़ी उतरते हैं तो मैच नहीं खेलने के कारण वे लय में नजर नहीं आते। श्रीधर ने कहा कि हम विश्व कप के लिए जाने से पहले ऐसी स्थिति नहीं चाहते जहां मुख्य एकादश खेलती रहे और विश्व कप में जब अचानक अहम मैच खेलना हो तो रिजर्व खिलाड़ी मैच खेलने का पर्याप्त समय नहीं मिलने के कारण इसके लिए तैयार नहीं हों। मुझे यकीन है कि टीम प्रबंधन भी इस बारे में सोच रहा है। हैदराबाद के इस पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर का मानना है कि इंग्लैंड की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए भारत को तैयारी के लिए न्यूजीलैंड से बेहतर हालात नहीं मिल सकते।

श्रीधर ने कहा कि जून में इंग्लैंड में जैसे हालात होंगे उसके अभ्यास के लिए न्यूजीलैंड से बेहतर जगह नहीं हो सकती। इसलिए निश्चित तौर पर हम ऐसी स्थिति तैयार करना चाहते हैं जहां हम अपने रिजर्व खिलाड़ियों को खेलने का मौका दें। मौजूदा सत्र में भारत ने दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया और अब न्यूजीलैंड में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला जीती है और इस दौरान टीम को सिर्फ इंग्लैंड में हार का सामना करना पड़ा। क्षेत्ररक्षण कोच का मानना है कि अनुभव और गेंदबाजी इकाई का प्रदर्शन दो पहलू हैं जिसने अंतर पैदा किया। श्रीधर ने कहा, 'भारत की बल्लेबाजी हमेशा से मजबूत रही है लेकिन अब गेंदबाजों ने भी मैच के विभिन्न चरण में विकेट लेना शुरू कर दिया है। वे भुवी (भुवनेश्वर कुमार) और (मोहम्मद) शमी हो या लेग स्पिनर (कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल), उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में, आस्ट्रेलिया के खिलाफ और अब यहां ऐसा किया है।'

उन्होंने कहा कि उन्होंने (कुलदीप और चहल) 24-25 मैचों में मिलकर संभवत- 100 विकेट हासिल किए हैं जो शानदार है। खेल के सबसे महत्वपूर्ण चरण का ध्यान रखा जा रहा है। इसके बाद हमारे पास भुवी और (जसप्रीत) बुमराह के रूप में डेथ ओवरों के शानदार गेंदबाज हैं।

नोटबंदी नहीं की होती तो लोगों को सस्ता घर कैसे मिलता: प्रधानमंत्री मोदी

सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो हफ्तों में दूसरी बार गुजरात दौरे पर हैं। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी पर सवाल उठाने वालों को जवाब दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ लोग सवाल पूछते हैं कि नोटबंदी से क्या फायदा हुआ? उन्हें ये सवाल उन युवाओं से भी पूछना चाहिए जिन्हें नोटबंदी के बाद कम हुई घरों की कीमतों का लाभ मिलना शुरू हुआ है। उस गरीब और मध्यम वर्ग से ये सवाल पूछना चाहिए, जिसका घर का सपना अब साकार होना संभव हुआ है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सूरत एयरपोर्ट के एक्टेंशन टर्मिनल की भी नींव रखीं। यहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित किया। इसके बाद पीएम मोदी अब महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर गुजरात में राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह मैमोरियल का उद्घाटन किया।

बता दें कि आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह मार्च को दांडी मार्च के नाम से भी जाना जाता है। अंग्रेजों के खिलाफ छेड़े गए सविनय अवज्ञा आंदोलन के तहत गांधी जी के नेतृत्व में 80 सत्याग्रहियों ने साबरमती आश्रम से अहमदाबाद स्थित तटीय गांव दांडी की 241 मील की यात्रा और वहां समुद्र के पानी से नमक बनाकर अंग्रेजों के बनाए नमक कानून को चुनौती दी थी।

मोदी ने की पूर्ण बहुमत की सरकार बनवाने की अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारी सरकार ने रेरा कानून बनाकर अब ये भी सुनिश्चित किया है कि गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों की कमाई हाउसिंग प्रोजेक्ट्स में फंसे नहीं। रेरा कानून के तहत 30-35 हजार बिल्डरों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है और तय नियम के मुताबिक लाखों घरों का निर्माण कर रहे हैं।'

मोदी ने कहा कि ये आपके एक वोट की ताक़त है कि जो गरीब को आज घर मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले चार साढ़े-चार साल से हम इसलिए आगे बढ़ पा रहे हैं क्योंकि पूर्ण बहुमत की सरकार बनवाई। पूर्ण बहुमत की सरकार बड़े और कड़े फैसले ले सकती है।

पीएम ने रोकी स्पीच और बुलवा ली अचानक बेहोश कैमरामैन के लिए एम्बुलेंस

सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात दौरे पर हैं. पीएम मोदी ने सूरत में एक जनसभा को संबोधित किया. जहां उन्होंने दावा किया कि आने वाले कुछ सालों में सूरत भारत का सबसे तेजी से विकास करने वाला शहर बन जाएगा. स्पीच के दौरान कुछ ऐसा हुआ जिसने हर किसी को हैरान कर दिया. पीएम मोदी जब स्पीच दे रहे थे तो उसी वक्त एक कैमरामैन बेहोश होकर गिर गया. पीएम मोदी ने स्पीच रोक दी और अधिकारों को जल्द से जल्द एम्बुलेंस बुलाने के लिए कहा.

कैमरामैन किशन रमोलिया अचानक बेहोश होकर गिर गया था. कुछ ही मिनट में 108 एम्बुलेंस आ गई. जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया. पीएम नरेंद्र मोदी फिर भाषण को शुरू किया. लोगों को पीएम मोदी का ये अंदाज काफी पसंद आया. इंटरनेश्नल रिपोर्ट का हवाला देते हुए पीएम मोदी ने कहा- 'अगले 10-15 सालों में सबसे तेजी से विकास करने वाले शहर भारत के होंगे. और उन 10 शहरों की लिस्ट में टॉप पर सूरत शहर होगा.'

पीएम मोदी ने भाषण के दौरान कांग्रेस को भी आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा- 'मुझसे मत पूछना कि 40-50 रुपए का बल्ब 350 रुपए में बिकता था तो बीच वाले पैसे कहां जाते थे, मुझे मत पूछना, उसका जवाब राजीव गांधी देकर गए थे. एक रुपया जाता था तो 25 पैसा पहुंचता था, बाकी का 75 पैसा कौनसा पंजा खाता था, वो सारी दुनिया जानती है.'

मेरे बराबर काम करने के लिए पहले की सरकार को लगते और 25 साल

सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गुजरात के सूरत में कहा कि हमारी सरकार देश के गरीब और मध्यम वर्ग के हर व्यक्ति के जीवन को सरल और सुगम बनाने की दिशा में पूरी ईमानदारी के साथ जुटी हुई है।

उन्होंने कहा कि बीते साढ़े 4 सालों में शहर में रहने वाले गरीब भाई-बहनों के लिए 13 लाख से अधिक घर बनाए जा चुके हैं। शहरों में लगभग 70 लाख नए और बनाने के लिए सरकार स्वीकृति दे चुकी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैंने अब तक जितना काम किया है, पूर्ववर्ती सरकार को उतना काम करने के लिए और 25 वर्षों की आवश्यकता पड़ती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हाल में आई एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले 10-15 वर्षों में दुनिया के सबसे तेजी से विकसित होते टॉप-10 शहरों में सभी के सभी भारत के होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े चार सालों में सरकार ने शहर में रहने वाले गरीब भाई बहनों के लिए 13 लाख से भी अधिक घर बनाए हैं। इसके अलावा 37 लाख घरों का निर्माण कार्य चल रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि पहले एलईडी बल्ब की कीमत 350 रुपये थी लेकिन अब वह सिर्फ 40-50 रुपये में उपलब्ध हो जाता है। सरकार ने पिछले साढ़े चार सालों में 32 करोड़ रुपये के एलईडी बल्ब वितरित किए हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को गुजरात के दौरे पर हैं. पीएम मोदी सूरत में पेशेवर युवाओं से मुखातिब हो रहे हैं. इस दौरान उन्होंने जहां पूर्व की यूपीए सरकार पर निशाना साधा वहीं, अपने कार्यकाल के दौरान हुए विकास कार्यों की जमकर तारीफ की. पीएम ने कहा कि 2014 में देश ने मुझ पर भरोसा किया है. उम्मीद है 2019 में भी ये भरोसा देखने को मिलेगा.

इसके पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के सूरत में कांग्रेस पर जमकर हमला बोला. उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने 70 साल तक देश की सुध नहीं ली आज वे बदलते भारत को देख नहीं पा रहे हैं.

मोदी ने कहा, 'मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ इतनी बड़ी लड़ाई इसीलिए छेड़ पाया हूं, क्योंकि मैं एक सामान्य परिवार से आया हूं. मैं भी अगर बड़े घराने से आया होता तो मुझे भी डर रहता कि कल मेरी भी किताब खुल जाएगी तो क्या होगा लेकिन मेरी जिंदगी तो खुली किताब की तरह रही है.'

उन्होंने कहा कि अगर फैसले लेने के लिए इरादे साफ हों, देश हित में हो तो निर्णय भी लिए जाते हैं और उसका परिणाम भी दिखता है.

कोई कल्पना कर सकता है क्या कि काले धन के खिलाफ लड़ाई हो सकती है. नोटबंदी के बाद तीन लाख कंपनियों पर ताले लगा दिए. चूं तक आवाज नहीं आ रही, क्योंकि सब पाप में डूबे हुए थे.

पीएम ने कहा कि 2013-14 के अखबारों की सुर्खियां घोटालों से भरी रहती थीं. आज देख लीजिए, हेडलाइन बदल गई. वरना पहले कोयला घोटाला, 2 घोटाला होते रहते थे. मोदी ने कहा कि 26/11 के बाद क्या हुआ था, उसके बाद मोमबत्तियां जलाईं गईं. लेकिन हमारी सरकार में उरी हुआ. उरी ने हमें सोने नहीं दिया था. जवान के खून का एक-एक बूंद हमारे लिए पवित्र होता है. उसके बाद परिणाम सर्जिकल स्ट्राइक थी.

यूपी सरकार पर हमला बोलते हुए पीएम ने कहा, 'जवान के खून की एक-एक बूंद खून पवित्र होती है. जो आग उस जवान के दिल में थी, वही आग इस प्रधानमंत्री के दिल में भी थी और उसी का परिणाम है सर्जिकल स्ट्राइक.'

यूपी सरकार पर हमला बोलते हुए पीएम ने कहा, 'आपको याद होगा कि बीजेपी सरकार बनने से पहले 26/11 का हमला हुआ था. और हमारी सरकार में उरी हुआ था फिर आपको पता है क्या हुआ, सर्जिकल स्ट्राइक ये फर्क है. ये बदलाव है.'

पीएम मोदी ने कहा, 'न मेरा रोने में विश्वास है न रुलाने में विश्वास है, मुझे देश को आगे चलाने में विश्वास है और देश चल पड़ा है. हर कोई नए सपने लेकर निकल पड़ा है.'

मोदी ने कहा, 'हमारा सबसे बड़ा यही योगदान है कि हमने निराशा के गर्त में डूबे हिंदुस्तान को आशा व विश्वास से भर दिया है. यही ताकत देश को आगे ले जाएगी.'

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में कोई विरोध प्रस्तुत न करे इसके लिए प्रदेश युवा कांग्रेस प्रवक्ता को लिया हिरासत में

सूरत। प्रधानमंत्री मोदी के सूरत आगमन के दौरे का कोई विरोध न कर पाए इस कारण प्रदेश युवा कांग्रेस के मीडिया कॉर्डिनेटर व प्रवक्ता शान खान और वाल्मीकि स्वाभिमान आंदोलन समिति के संयोजक दलित नेता किरीटसिंह वाघेला को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया था।

प्रधानमंत्री के सार्वजनिक कार्यक्रम पूरे होने तक नजरकैद कर पुलिस स्टेशन में रखा गया था। पुलिस कार्यवाही से नाराज शान खान ने सोशल मीडिया के माध्यम से रोष व्यक्त करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा।

टीएम पटेल स्कूल में अतुल्य सलाद मेकिंग प्रतियोगिता हुई

सूरत। वेसु में स्थित टी.एम. पटेल इंटरनेशनल स्कूल में जूनियर मास्टर शेफ, अतुल्य सलाद मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। युवाओं में स्वस्थ भोजन की आदतों और पसंद के भोजन के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें जज के तौर पर शुगर एंड स्पाइस के ऋतिक माथुर थे। प्रतियोगिता में स्कूल के छात्रों और उनकी माताओं ने भाग लिया। प्रतियोगियों ने अलग-अलग मोवात्रिंग सलाद से बने खूबसूरत डिजाइन और पैटर्न तैयार

किए। प्रतियोगियों ने तरबूज की टोकरी सलाद, कॉम्बो सलाद, जंबो सलाद, आदि बनाए। और उनकी कलात्मक प्रस्तुति भी की। तीन विजेताओं को रचनात्मकता, पोषण मूल्यों, स्वाद और प्रस्तुति के आधार पर घोषित किया गया। पहले स्थान पर यशवी जैन और राशी जैन, दूसरे स्थान पर डियाना शाह और हेली शाह तथा तीसरे स्थान पर मास्टर धिआन सांघवी और सिल्की सांघवी थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)**